



| १  | २   | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८  | ९ | १० | ११ | १२ | १३ |
|--|---|---|---|---|---|---|--|---|----|----|----|----|
| संवेगनिमित्ती  | पूर्ण आशयाने अनावरण बर्गा-<br>ची आशयाशी मूक आंतरक्रिया.<br>हृत्प्राप्य साक्षरतेची प्रस्थापना.   |   |   |   |   |   | एकतात-निरीक्षण करतात.<br>कथन करतात-वाचतात किंवा<br>हेतुपूर्वक मूक निरीक्षण करतात.<br>सम्यक् परिस्थितीनुसारप्रतिसाद<br>देतात.   |   |    |    |    |    |
| स्पष्टीकरण<br>अ) वाक्प-<br>दती                       | बोलण्यातील अस्खलितपणा.<br>योग्यशब्दांचा वापर.<br>बोलण्यातील सुस्पष्टता.   |   |   |   |   |   | गोंधळत्यासारखे वाटत नाही.<br>लक्षपूर्वक एकतात. आक्षेप<br>किंवा शंका प्रदर्शित करीत<br>नाहीत.   |   |    |    |    |    |
| ब) आशय<br>आणि तर्क-<br>शुद्धता                       | विचारातील सातत्य.<br>उदाहरण- नियम-उदाहरण<br>पद्धतीचा उपयोग.<br>स्पष्टीकरण दुव्यांचा वापर.<br>योजनाबद्द पुनरावृत्ती  |   |   |   |   |   |  |   |    |    |    |    |
| प्रश्न पद्धती<br>क) प्रसारण<br>आणि शीघ्र-<br>वर्तपणा | पारस्वभूमीची निमित्ती.<br>संपूर्ण बर्गाला संबोधून प्रश्नांचे<br>वितरण<br>प्रश्नार्थक उच्चार.<br>विचार करण्यासाठी पुरेचा<br>अवधीची योजना<br>पुनरावृत्ती टाळण्याचा प्रयत्न.<br>प्रश्नांचे समान वितरण. |   |   |   |   |   | प्रतिसादास तयार असतात.<br>प्रश्नांकडे पूर्ण अवधान देतात.<br>प्रतिसादासाठी परवानगी<br>मागतात.<br>प्रश्नाविषयी स्पष्टीकरण मागत<br>नाहीत.<br>• प्रतिसादाचा अभाव दर्शवित<br>नाहीत.<br>प्रतिसादाची पुनरावृत्ती करीत<br>नाहीत.<br>अपेक्षित प्रतिसाद देतात.<br>बिबिध विद्यार्थी प्रतिसाद देतात. |   |    |    |    |    |
| ब) संरचना  | प्रश्नाची व्याकरणदृष्ट्या शुद्धता.<br>प्रश्नाची संक्षिप्तता.<br>प्रश्नाची सुसंगतता किंवा समर्पकता<br>प्रश्नाचा नेमकेपणा.  |   |   |   |   |   |  |   |    |    |    |    |
| प्रश्न प्रकार  | निम्नस्तरीय प्रश्न. (ज्ञान आक-<br>लन)<br>मध्यस्तरीय प्रश्न.<br>(उपयोजन, पृथक्करण)<br>• उच्चस्तरीय प्रश्न.<br>(संश्लेषण, मूल्यमापन)  |   |   |   |   |   | निम्नस्तरीय प्रतिसाद देतात.<br>मध्यमस्तरीय प्रतिसाद देतात.<br>• उच्चस्तरीय प्रतिसाद देतात.<br>• पुढाकार देतात.   |   |    |    |    |    |







| १   | २  | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८  | ९ | १० | ११ | १२ | १३ |  |
|---|--|---|---|---|---|---|--|---|----|----|----|----|--|
| अध्यापकाचे<br>आंतरक्रिया-<br>शील<br>व्यवस्थीमत्त्व<br>ब) वगैरी<br>सुसंवाद | सर्व विद्यार्थ्यांकडे समान रुझ.<br>० व्यक्तिगत भेद-भेदकाची जाण<br>विद्यार्थ्यांच्या व्यक्तिमत्त्वाचा<br>आदर.<br>विद्यार्थी पातळीची देखरेख.<br>० परिस्थिती हाताळण्यातील<br>प्रसंगावधानीपणा.<br>स्वच्छता, टापटीप ब नीटनेटके-<br>पणा<br>अवधानविकर्षक सवयींचा आस्पाव<br>उत्साही व आत्मविश्वासपूर्ण<br>व्यक्तित्वम्ब.   |   |   |   |   |   |  |   |    |    |    |    |  |
| प्रभुरव<br>अ) बाळनियो-<br>जनाबरील<br>प्रभुरव                              | नियोजनबद्ध वर्तनाचे प्रदर्शन.<br>परिस्थितीनुसार आवश्यक तेथे<br>नियोजित वर्तनातील बदल.<br>पूर्ण तयारीसह अध्यापन<br>आवश्यक, पुरेशी व अचूक माहि-<br>तीचा अध्यापनात समावेश.<br>अधिक माहितीचा समावेश.<br>चुकीच्या उत्तरांचा अस्वीकार.<br>चुकीच्या उत्तरांची दुरुस्ती.<br>संदर्भ टिप्पणीशिवाय अध्यापन.<br>० इतर विद्यार्थी व जीवनानुभ-<br>वाची सहसंबंध.<br>० नवनिर्मातीचे दर्शन. |   |   |   |   |   |  |   |    |    |    |    |  |
| ब) आशया-<br>बरील प्रभुरव  |  |   |   |   |   |   |  |   |    |    |    |    |  |
|   |  |   |   |   |   |   | सहकार्यानि व जवळकीने<br>वागतात.<br>गरजेनुसार मदत मागतात.<br>शिक्षकाबद्दल आदर दर्शवितात.<br>उत्साही व आत्मविश्वासू<br>वाटतात.   |   |    |    |    |    |  |
|   |  |   |   |   |   |   | गोंधळलेले नसतात.<br>निरुत्साही-निर्दक्षित वर्तनाचा<br>अभाव.<br>संपूर्ण पाठभर मार्गदर्शित सक्रीय<br>० सहभागी होतात.<br>चुका काढत नाहीत.<br>शंका, नवीन-वेगळे प्रस्न<br>विचारतात.<br>स्वच्छेने पुढाकार घेतात. |   |    |    |    |    |  |

वर्णनात्मक वस्तुनिष्ठ मूल्यमापनाचे एकूण गुण ( १० पैकी ) ... ..  
अध्यापनपूर्व वर्तन, शिक्षकवलेल्या विषयवस्तूचे प्रमाण, रचनाकारत्व, विद्यार्थ्यांवरील प्रभाव व पाठ्यपूर्व  
विक्षेपणाविषयक सर्वसामान्य मतांच्या आधारे केलेले गुणदान ( १० पैकी ) ... ..  
एकूण गुण ( १०० पैकी ) ... ..